सम्पादकीय

विश्वगुरुदीप आश्रम शोध संस्थान द्वारा प्रकाशित मासिक शोधपत्रिका का वर्ष 2024 का नवम अंक आपके करकमलों में अर्पित करते हुए अत्यधिक हर्ष का अनुभव हो रहा है। भारतीय धर्म-संस्कृति के शोधलेखों का यह संग्रह विद्वानों द्वारा सराहा जा रहा है। यह अंक वैशाख मास विशेषांक के रूप में प्रकाशित किया जा रहा है। विद्वानों द्वारा नियमित भेजे जा रहे शोधलेख हमारा मनोबल बढ़ा रहे हैं व पत्रिका के महत्त्व को भी आलोकित कर रहे हैं। पूर्व अंकों में सभी उच्चस्तरीय विद्वानों के लेख प्रकाशित हुए हैं।

इसमें सर्वप्रथम महामण्डलेश्वर स्वामी महेश्वरानन्दपुरीजी द्वारा लिखित YOGA SUTRAS OF PATANJALI शोध लेख में पातंजलयोगसूत्र के प्रतिपाद्य की आधुनिक सन्दर्भ में उपयोगिता दर्शायी गयी है। तत्पश्चात् देवर्षि कलानाथ शास्त्री द्वारा लिखित **'भाद्रपद मास के पर्व'** नामक लेख में वर्षा ऋतु के चार महीनों में सभी धर्मों के साधु सन्यासियों के द्वारा किये जाने वाले चातुर्मास्य एवं भाद्रपद मास के विभिन्न पर्वों के बारे में बताया है। तत्पश्चात् डा. सुरेन्द्र कुमार शर्मा द्वारा संकलित **'श्री मधुसूदन ओझा समीक्षा चक्रवर्ती'** लेख में विद्यावाचस्पति श्री मधुसूदन ओझा जी का जीवन परिचय एवं साहित्यिक परिचय को दिया है। इसी क्रम में श्रीमती प्रतिभा गर्ग द्वारा लिखित **'श्रीगणेशचतुर्थी (भाद्रपद शुक्ल चतुर्थी)'** लेख में गणेश चतुर्थी व्रत का महत्व एवं विधि का उल्लेख किया है। तत्पश्चात् श्रीमती अंजना शर्मा द्वारा लिखित **श्रीगोगानवमी-गोगामेड़ी-दर्शन (भाद्रपद कृष्ण नवमी)** लेख में श्री गोगाजी के जन्मोत्सव तथा इस दिन उनके दर्शन करने से होने वाले लाभ के बारे में जानकारी दी है। साथ ही देवेन्द्रसिंह मोछाल द्वारा लिखित **'वेदों में प्रधान देवता- अग्नि देव'** नामक लेख में अग्नि की प्रधानता पर प्रकाश डाला है। अन्त में स्व. डॉ. नारायणशास्त्री काङ्कर के **'राष्ट्रोपनिषत्'** के कतिपय पद्य प्रकाशित किये गये हैं, जो गुरुशिष्यपरम्परा के गौरव को प्रदर्शित करने के साथ साथ आत्मचिन्तन की प्रेरणा प्रदान करने वाले हैं।

आशा है, सुधी पाठक इन्हें रुचिपूर्वक हृदयंगम करने में अपना उत्साह पूर्ववत् बनाये रखेंगे।

शुभकामनाओं सहित....

-डॉ. सुरेन्द्र कुमार शर्मा